This question paper contains 4 printed pages.]

7310 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. / IV Sem. **A**

SANSKRIT – Paper C-401

(काव्यप्रकाश)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 70*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।*

Note : *Unless otherwise required in a question, answers should be given in Sanskrit or in Hindi or in English.*

सभी प्रश्नों का यथानिर्देश समाधान कीजिए।

1. अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8+8=24

अन्विति 1

(अ) मम्मटोक्त काव्यदोष के सामान्य-लक्षण एवं वर्गीकरण की समीक्षा कीजिए।

अथवा

[P.T.O.

रस-दोष के परिहार हेतु मम्मटीय दृष्टि की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

अन्विति 2

(आ) मम्मट के अनुसार गुण और अलङ्कार के विवेक को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वामन के दस शब्द-गुणों का खंडन करते हुए गुणत्रयवाद की स्थापना कीजिए।

अन्विति 4

(इ) उपमा के सामान्य स्वरूप का विवेचन करते हुए पूर्णोपमा तथा लुप्तोपमा के किन्हीं दो-दो भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संकर अलङ्कार के स्वरूप तथा भेदों पर प्रकाश डालिए।

2. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए: 5+5+5+7=22

अन्विति 1

(अ) अपास्य च्युतसंस्कारमसमर्थं निरर्थकम्।
वाक्येऽपि दोषाः सन्त्येते पदस्यांशेऽपि केचन॥

अथवा

वक्त्राद्यौचित्यवशाद् दोषोऽपि गुणःक्वचित् क्वचिन्नोभौ।

अन्विति 2

(आ) गुणवृत्त्या पुनस्तेषां वृत्तिः शब्दार्थयोर्मता।

अथवा

तेन नार्थगुणा वाच्याः।

अन्विति 3

(इ) केषांचिदेता वैदर्भी-प्रमुखा रीतयो मताः।

अथवा

भेदाभावात्प्रकृत्यादेर्भेदोऽपि नवमो भवेत्।

अन्विति 4

(ई) विशेषोक्तिरखण्डेषु कारणेषु फलावचः

अथवा

अप्रस्तुतप्रशंसा या सा सैव प्रस्तुताश्रया।

3. अधोलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। किसी एक टिप्पणी का माध्यम **संस्कृत** होना अनिवार्य है। 6+6+6+6=24

अन्विति 1

(अ) विद्याविरुद्धत्व अथवा प्रतिकूलविभावादिग्रह

अन्विति 2

(आ) माधुर्य गुण का स्वरूप अथवा प्रसाद-व्यञ्जक

अन्विति 3

(इ) वक्रोक्ति अथवा पुनरुक्तवदाभास

अन्विति 4

(ई) उपमा तथा उपमेयोपमा में अन्तर

अथवा

अपह्नुति (लक्षणोदाहरण)